

स्पर्शास्पर्श पुं. (तत्.) 1. स्पर्श और अस्पर्श 2. छुआछूत का भाव।

स्पर्शिक वि. (तत्.) 1. स्पर्श करने वाला 2. जिसे छूने से ज्ञान प्राप्त होता है पुं. हवा, वायु।

स्पर्शिनी वि./स्त्री. (तत्.) दे. स्पर्शी।

स्पर्शी वि. (तत्.) 1. स्पर्श करने वाला, छूने वाला 2. प्रभावित करने वाली जैसे- मर्म-स्पर्शी।

स्पर्शेन्द्रिय स्त्री. (तत्.) वह इंद्रिय जिससे स्पर्श की अनुभूति हो, त्वचा, चमड़ा।

स्पर्शोपल पुं. (तत्.) पारस पत्थर, स्पर्श मणि।

स्पष्ट वि. (तत्.) 1. देखने/सुनने/समझने में कोई कठिनाई या बाधा न हो, बिल्कुल साफ 2. छल-कपट, चालाकी आदि से रहित (व्यवहार/बात आदि), सत्य, सच्चा 3. जो धुंधला न हो 4. जो संदिग्ध न हो क्रि.वि. 1. साफ-साफ, साफ तौर पर 2. असंदिग्ध रूप में 3. प्रत्यक्ष 4. प्रत्यक्ष रूप में।

स्पष्ट कथन पुं. (तत्.) (व्याकरण की दृष्टि से) किसी के द्वारा कही हुई बात का उल्लेख ठीक उसी रूप में बिना किसी व्याकरणगत परिवर्तन के उपस्थित किया जाने वाला कथन direct speech

स्पष्टतः क्रि.वि. (तत्.) दे. स्पष्टतया।

स्पष्टतया स्त्री. (तत्.) 1. स्पष्ट रूप से, साफ-साफ, स्पष्टतः 2. स्पष्ट शब्दों में।

स्पष्टता स्त्री. (तत्.) 1. स्पष्ट होने की अवस्था, गुण या भाव 2. साफ दिखाई देने वाला 3. साफ दिखाई देना 4. साफ समझ में आना, सरलता, बोधगम्यता।

स्पष्टभाषी वि. (तत्.) 1. स्पष्ट बात/बातें कहने वाला, साफ-साफ कहने वाला, स्पष्टवक्ता 2. बिना भय/संकोच के कहने वाला।

स्पष्टवक्ता वि. (तत्.) दे. स्पष्टभाषी।

स्पष्टवाद पुं. (तत्.) 1. बिना किसी भय/संकोच के साफ-साफ बात/बातें कहना, स्पष्टवक्ता होना 2. स्पष्ट भाषी होने का गुण/धर्म/अवस्था/भाव।

स्पष्टवादिता स्त्री. (तत्.) स्पष्टवादी होने की अवस्था/गुण/भाव/धर्म, बिना भय/संकोच के साफ-साफ कह देने का गुण।

स्पष्टवादी वि. (तत्.) दे. स्पष्टभाषी।

स्पष्टीकरण पुं. (तत्.) 1. स्पष्ट या साफ करके बताना ताकि उसके बारे में कोई भ्रम न रहे 2. स्पष्ट होने से रह गई बात को स्पष्ट करना 3. अपने किए हुए किसी कार्य के बारे में आपत्ति होने पर उसके विषय में कारणों को स्पष्ट करना, व्याख्या। explanation

स्पष्टीकार्य वि. (तत्.) जिसके बारे में स्पष्टीकरण करना जरूरी/उचित हो।

स्पष्टीकृत वि. (तत्.) जिसका स्पष्टीकरण किया गया हो, जिसे स्पष्ट कर दिया गया हो, साफ या खुलासा किया हो।

स्पष्टीक्रिया स्त्री. (तत्.) ज्यो. वह क्रिया जिसमें ग्रहों का किसी विशिष्ट समय के दौरान राशि के अंश, कला, विकला आदि में अवस्थान को जाना जाता है।

स्पर्धित वि. (तत्.) 1. जिससे स्पर्धा की गई हो, जिसके विषय में स्पर्धा की गई हो।

स्फिरिट स्त्री. (तत्.) 1. शरीर में रहने वाला आत्मा, जीवात्मा 2. भावना 3. प्रवृत्ति 4. अभिप्राय, अर्थ, आशय 5. दिवंगत आत्मा, प्रेतात्मा 6. शीघ्र जलने वाला और विषैला रासायनिक द्रव्य 7. तेज शराब।

स्पीकर पुं. (अं.) 1. वह जो व्याख्यान देता हो, व्याख्यता, वक्ता, भाषणकर्ता 2. विधानसभा/लोकसभा का अध्यक्ष।

स्पीच स्त्री. (अं.) भाषण, व्याख्यान।

स्पीड पुं. (अं.) गति, चाल, रफ्तार।

स्पीशीज पुं. (अं.) 'वंश' के नीचे और 'उपजाति' से ऊपर के जीवों के वर्गीकरण की निम्न इकाई। इसमें ऐसे जीवों को शामिल किया जाता है जो संरचना एवं कार्य के संदर्भ में लगभग एक सम्मान होते हैं तथा प्राकृतिक अवस्था में केवल आपस में ही प्रजनन करते हैं।